2018–19
ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी
एड–ऑन पाठ्यक्रम
अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

उद्देष्य :–

आधुनिक युग में अनुवाद सामर्थ्य का महत्व अभिव्यक्ति–कौशल के साथ अंग्रेजी, हिंदी और आंचलिक भाषा छत्तीसगढ़ी में सक्षम होकर व्यक्तित्व–विकास करना है । केन्द्र सरकार, राज्य शासन के समानांतर अर्द्धशासकीय और निजी संस्थानों में आजीविका की दृष्टि से इस पाठ्यक्रम का महत्व अधिक है । हिंदी भाषा में पारंगत होने के साथ इस पाठ्यक्रम से अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी में दक्षता होने से छात्रों का सम्यक विकास संभावित है जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा । इस पाठ्यक्रम में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का विकास किया जा रहा है।

रोजगार के अवसर :–

अनुवाद, राजभाषा सहायक, हिंदी अधिकारी, ट्यूटर विक्रेता प्रतिनिधि, दूरदर्शन और आकाशवाणी के उद्घोषक व समाचार पत्रों के संवाददाता ।

परीक्षा की विधि :–

डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दो प्रश्न पत्र सैद्धांतिक और एक प्रायोगिक के होंगें । तीनों के अंक 50 पृथक–पृथक होंगे तथा सैद्धांतिक प्रश्न पत्रों की पांच इकाईयां होंगी । ग्रेडिंग–प्रणाली से परीक्षा ली जायेगी ।

प्रथम प्रष्न पत्र

व्याकरण 50 अंक

1. हिंदी व्याकरण
2. अंग्रेजी व्याकरण
3. छत्तीसगढ़ी व्याकरण
4. हिंदी, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी व्याकरण में समानता
5. हिंदी, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी व्याकरण में असमानता

द्वितीय प्रष्न पत्र

अनुवाद सामर्थ्य 50 अंक

1. अनुवाद – परिभाषा, लक्षण, स्वरूप
2. अच्छे अनुवाद के गुण
3. स्वर – व्यंजन वाक्य शुद्धि
4. कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद
5. अनुवाद – अंग्रेजी से हिन्दी

प्रायोगिक (व्यावहारिक) कार्य

मौखिकी+परियोजना

50+50 =100 अंक

1. स्थानीय अथवा बाहरी सरकारी, अर्द्धसरकारी संस्थानों में परिभ्रमण के आधार पर दिए गए किसी भी विषय पर परियोजना रिपोर्ट तैयार करना ।
2. सामूहिक चर्चा
3. उच्चारण – अभ्यास ।

ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी

एड–ऑन पाठ्यक्रम

अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

प्रष्न–पत्र विवरण

प्रथम प्रश्न पत्र – प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद

द्वितीय प्रश्न पत्र – हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी व्याकरण

तृतीय प्रष्न पत्र – प्रायोगिक (प्रोजेक्ट वर्क)

ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी
एड–ऑन पाठ्यक्रम
अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

उद्देष्य :–

कोई भी भाषा जब सांस्कृतिक वैविध्य, और उसकी बोली–बानी का सोंधी रसमयता से सिंचित हो भीगने और लहलहाने का सामर्थ्य स्वयं में पैदा कर लेती है तो उसकी समायी और सामर्थ्य की कोरव उर्वरा होने लगती है, जब वह भाषा किसी एक समुदाय, वर्ग, समाज, देश, राष्ट्र की भाषा भर नहीं रह जाती, उसका सामर्थ्यवान व्यापकत्व निंरतर फलता–फूलता अपनी सीमाओं को बांध राष्ट्रीय से अंतर्राष्ट्रीय होने लगता है । प्रगति के लिए भाषाओं को आपस में हाथ मिलाना है । भारत अनेक भाषाओं का पावन संगम स्थल है । आदान–प्रदान प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है । यहां आदान–प्रदान का मुख्य सहारा अनुवाद है । अनुवाद का इतिहास रिश्तों का इतिहास है । भाषा, संस्कृति साहित्य और विचारों को वह जोड़ता है । आज अनुवाद की दिशा में कई सार्थक काम चल रहे हैं । वर्तमान समय में रिश्तों को मजबूत, संस्कार के गतिशील दृष्टिकोण को विशाल और संस्कृति को सतत् समृद्ध बनाने के लिये अनुवाद का आंचल पकड़ना अनिवार्य है।

अनुवाद सामर्थ्य का महत्व अभिव्यक्ति कौशल के साथ–साथ हिंदी, अंग्रेजी और आंचलिक छत्तीसगढ़ी भाषा में सक्षम होकर व्यक्तित्व विकास करना है। हिंदी भाषा में निपुण होने के साथ इस पाठ्यक्रम से अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी में दक्षता होने से छात्रों को सम्यक विकास संभावित है, जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा । केन्द्र सरकार, राज्य शासन के समानांतर अर्द्ध शासकीय और निजी संस्थानों में आजीविका की दृष्टि से इस पाठ्यक्रम का महत्व अधिक है।

रोजगार के अवसर –

अनुवाद, राजभाषा सहायक, हिंदी अधिकारी, ट्यूटर विक्रेता प्रतिनिधि, दूरदर्शन और आकाशवाणी के उद्घोषक व समाचार पत्रों के संवाददाता ।

परीक्षा की विधि –

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में चार प्रश्न होंगे । चारों के अंक 50 पृथक–पृथक होंगे। ग्रेडिंग–प्रणाली से परीक्षा ली जायेगी।

प्रथम प्रष्न–पत्र
प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद

भाषा का प्रयोजन – प्रयोजन मूलकता
प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद
प्रयोजन मूलक भाषा और सरकारी अनुवाद
राजभाषा (कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति)
कार्यालय अभिलेख में हिंदी अनुवाद की समस्या, कार्यालयी भाषा और समेकित
प्रकाशनाधिकार और अनुवाद
प्रशासनिक अनुवाद – स्वरूप विश्लेषण, प्रशासनिक शब्दावली
देवनागरी तार, सरकारी उद्यमों में हिंदी का प्रयोग
कामकाजी वाक्यांशों के हिंदी अनुवाद, कार्यायलीन एवं प्रशासनिक शब्दावली
प्रशासनिक प्रयुक्तियां
वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएं ।
बैकिंग हिंदी का स्वरूप और अनुवाद
विज्ञापन की भाषा और उसके साहित्य की समस्याएं
बाजार भाव की भाषा और अनुवाद
खेलकूद की भाषा और अनुवाद संसदीय साहित्य का अनुवाद।
विधि और अनुवाद

द्वितीय प्रष्न–पत्र
हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी व्याकरण

1. भाषा, भाषा का स्वरूप, उत्पत्ति, महत्व विशेषताएं
2. ध्वनि
3. वर्णमाला
4. संज्ञा
5. सर्वनाम
6. विशेषण
7. क्रिया
8. क्रिया विशेषण
9. कारक संरचना

तृतीय प्रष्न–पत्र

प्रायोगिक (प्रोजेक्ट वर्क)

कार्यक्षेत्र का भ्रमण मौखिक+परियोजना (50+50)

संदर्भ ग्रंथ

अनुवाद विज्ञान – सिद्धांत और प्रयोग
लेखक – डॉ. जयश्री शुक्ल
वैभव प्रकाशन, रायपुर (छ.ग.)

2017–18
ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी
एड–ऑन पाठ्यक्रम
अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

उद्देष्य :–

आधुनिक युग में अनुवाद सामर्थ्य का महत्व अभिव्यक्ति–कौशल के साथ अंग्रेजी, हिंदी और आंचलिक भाषा छत्तीसगढ़ी में सक्षम होकर व्यक्तित्व–विकास करना है । केन्द्र सरकार, राज्य शासन के समानांतर अर्द्धशासकीय और निजी संस्थानों में आजीविका की दृष्टि से इस पाठ्यक्रम का महत्व अधिक है । हिंदी भाषा में पारंगत होने के साथ इस पाठ्यक्रम से अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी में दक्षता होने से छात्रों का सम्यक विकास संभावित है जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा । इस पाठ्यक्रम में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का विकास किया जा रहा है।

रोजगार के अवसर :–

अनुवाद, राजभाषा सहायक, हिंदी अधिकारी, ट्यूटर विक्रेता प्रतिनिधि, दूरदर्शन और आकाशवाणी के उद्घोषक व समाचार पत्रों के संवाददाता ।

परीक्षा की विधि :–

डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दो प्रश्न पत्र सैद्धांतिक और एक प्रायोगिक के होंगें । तीनों के अंक 50 पृथक–पृथक होंगे तथा सैद्धांतिक प्रश्न पत्रों की पांच इकाईयां होंगी । ग्रेडिंग–प्रणाली से परीक्षा ली जायेगी ।

प्रथम प्रष्न पत्र

व्याकरण 50 अंक

6. हिंदी व्याकरण
7. अंग्रेजी व्याकरण
8. छत्तीसगढ़ी व्याकरण
9. हिंदी, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी व्याकरण में समानता
10. हिंदी, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी व्याकरण में असमानता

द्वितीय प्रष्न पत्र

अनुवाद सामर्थ्य 50 अंक

6. अनुवाद – परिभाषा, लक्षण, स्वरूप
7. अच्छे अनुवाद के गुण
8. स्वर – व्यंजन वाक्य शुद्धि
9. कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद
10. अनुवाद – अंग्रेजी से हिन्दी

प्रायोगिक (व्यावहारिक) कार्य

मौखिकी+परियोजना

50+50 =100 अंक

4. स्थानीय अथवा बाहरी सरकारी, अर्द्धसरकारी संस्थानों में परिभ्रमण के आधार पर दिए गए किसी भी विषय पर परियोजना रिपोर्ट तैयार करना ।
5. सामूहिक चर्चा
6. उच्चारण – अभ्यास ।

ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी

एड–ऑन पाठ्यक्रम

अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

प्रष्न–पत्र विवरण

प्रथम प्रश्न पत्र – प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद

द्वितीय प्रश्न पत्र – हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी व्याकरण

तृतीय प्रष्न पत्र – प्रायोगिक (प्रोजेक्ट वर्क)

ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी
एड–ऑन पाठ्यक्रम
अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

उद्देष्य :–

कोई भी भाषा जब सांस्कृतिक वैविध्य, और उसकी बोली–बानी का सोंधी रसमयता से सिंचित हो भीगने और लहलहाने का सामर्थ्य स्वयं में पैदा कर लेती है तो उसकी समायी और सामर्थ्य की कोरव उर्वरा होने लगती है, जब वह भाषा किसी एक समुदाय, वर्ग, समाज, देश, राष्ट्र की भाषा भर नहीं रह जाती, उसका सामर्थ्यवान व्यापकत्व निंरतर फलता–फूलता अपनी सीमाओं को बांध राष्ट्रीय से अंतर्राष्ट्रीय होने लगता है । प्रगति के लिए भाषाओं को आपस में हाथ मिलाना है । भारत अनेक भाषाओं का पावन संगम स्थल है । आदान–प्रदान प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है । यहां आदान–प्रदान का मुख्य सहारा अनुवाद है । अनुवाद का इतिहास रिश्तों का इतिहास है । भाषा, संस्कृति साहित्य और विचारों को वह जोड़ता है । आज अनुवाद की दिशा में कई सार्थक काम चल रहे हैं । वर्तमान समय में रिश्तों को मजबूत, संस्कार के गतिशील दृष्टिकोण को विशाल और संस्कृति को सतत् समृद्ध बनाने के लिये अनुवाद का आंचल पकड़ना अनिवार्य है।

अनुवाद सामर्थ्य का महत्व अभिव्यक्ति कौशल के साथ–साथ हिंदी, अंग्रेजी और आंचलिक छत्तीसगढ़ी भाषा में सक्षम होकर व्यक्तित्व विकास करना है। हिंदी भाषा में निपुण होने के साथ इस पाठ्यक्रम से अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी में दक्षता होने से छात्रों को सम्यक विकास संभावित है, जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा । केन्द्र सरकार, राज्य शासन के समानांतर अर्द्ध शासकीय और निजी संस्थानों में आजीविका की दृष्टि से इस पाठ्यक्रम का महत्व अधिक है।

रोजगार के अवसर –

अनुवाद, राजभाषा सहायक, हिंदी अधिकारी, ट्यूटर विक्रेता प्रतिनिधि, दूरदर्शन और आकाशवाणी के उद्घोषक व समाचार पत्रों के संवाददाता ।

परीक्षा की विधि –

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में चार प्रश्न होंगे । चारों के अंक 50 पृथक–पृथक होंगे। ग्रेडिंग–प्रणाली से परीक्षा ली जायेगी।

प्रथम प्रष्न–पत्र
प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद

भाषा का प्रयोजन – प्रयोजन मूलकता
प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद
प्रयोजन मूलक भाषा और सरकारी अनुवाद
राजभाषा (कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति)
कार्यालय अभिलेख में हिंदी अनुवाद की समस्या, कार्यालयी भाषा और समेकित
प्रकाशनाधिकार और अनुवाद
प्रशासनिक अनुवाद – स्वरूप विश्लेषण, प्रशासनिक शब्दावली
देवनागरी तार, सरकारी उद्यमों में हिंदी का प्रयोग
कामकाजी वाक्यांशों के हिंदी अनुवाद, कार्यायलीन एवं प्रशासनिक शब्दावली
प्रशासनिक प्रयुक्तियां
वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएं ।
बैकिंग हिंदी का स्वरूप और अनुवाद
विज्ञापन की भाषा और उसके साहित्य की समस्याएं
बाजार भाव की भाषा और अनुवाद
खेलकूद की भाषा और अनुवाद संसदीय साहित्य का अनुवाद।
विधि और अनुवाद

द्वितीय प्रष्न–पत्र
हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी व्याकरण

10. भाषा, भाषा का स्वरूप, उत्पत्ति, महत्व विशेषताएं
11. ध्वनि
12. वर्णमाला
13. संज्ञा
14. सर्वनाम
15. विशेषण
16. क्रिया
17. क्रिया विशेषण
18. कारक संरचना

तृतीय प्रष्न–पत्र

प्रायोगिक (प्रोजेक्ट वर्क)

कार्यक्षेत्र का भ्रमण मौखिक+परियोजना (50+50)

संदर्भ ग्रंथ

अनुवाद विज्ञान – सिद्धांत और प्रयोग
लेखक – डॉ. जयश्री शुक्ल
वैभव प्रकाशन, रायपुर (छ.ग.)

2016–17
ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी
एड–ऑन पाठ्यक्रम
अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

उद्देष्य :–

आधुनिक युग में अनुवाद सामर्थ्य का महत्व अभिव्यक्ति–कौशल के साथ अंग्रेजी, हिंदी और आंचलिक भाषा छत्तीसगढ़ी में सक्षम होकर व्यक्तित्व–विकास करना है । केन्द्र सरकार, राज्य शासन के समानांतर अर्द्धशासकीय और निजी संस्थानों में आजीविका की दृष्टि से इस पाठ्यक्रम का महत्व अधिक है । हिंदी भाषा में पारंगत होने के साथ इस पाठ्यक्रम से अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी में दक्षता होने से छात्रों का सम्यक विकास संभावित है जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा । इस पाठ्यक्रम में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का विकास किया जा रहा है।

रोजगार के अवसर :–

अनुवाद, राजभाषा सहायक, हिंदी अधिकारी, ट्यूटर विक्रेता प्रतिनिधि, दूरदर्शन और आकाशवाणी के उद्घोषक व समाचार पत्रों के संवाददाता ।

परीक्षा की विधि :–

डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दो प्रश्न पत्र सैद्धांतिक और एक प्रायोगिक के होंगें । तीनों के अंक 50 पृथक–पृथक होंगे तथा सैद्धांतिक प्रश्न पत्रों की पांच इकाईयां होंगी । ग्रेडिंग–प्रणाली से परीक्षा ली जायेगी ।

प्रथम प्रष्न पत्र

व्याकरण 50 अंक

11. हिंदी व्याकरण
12. अंग्रेजी व्याकरण
13. छत्तीसगढ़ी व्याकरण
14. हिंदी, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी व्याकरण में समानता
15. हिंदी, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी व्याकरण में असमानता

द्वितीय प्रष्न पत्र

अनुवाद सामर्थ्य 50 अंक

11. अनुवाद – परिभाषा, लक्षण, स्वरूप
12. अच्छे अनुवाद के गुण
13. स्वर – व्यंजन वाक्य शुद्धि
14. कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद
15. अनुवाद – अंग्रेजी से हिन्दी

प्रायोगिक (व्यावहारिक) कार्य

मौखिकी+परियोजना

50+50 =100 अंक

7. स्थानीय अथवा बाहरी सरकारी, अर्द्धसरकारी संस्थानों में परिभ्रमण के आधार पर दिए गए किसी भी विषय पर परियोजना रिपोर्ट तैयार करना ।
8. सामूहिक चर्चा
9. उच्चारण – अभ्यास ।

ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी

एड–ऑन पाठ्यक्रम

अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

प्रष्न–पत्र विवरण

प्रथम प्रश्न पत्र – प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद

द्वितीय प्रश्न पत्र – हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी व्याकरण

तृतीय प्रष्न पत्र – प्रायोगिक (प्रोजेक्ट वर्क)

ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी
एड–ऑन पाठ्यक्रम
अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

उद्देष्य :–

कोई भी भाषा जब सांस्कृतिक वैविध्य, और उसकी बोली–बानी का सोंधी रसमयता से सिंचित हो भीगने और लहलहाने का सामर्थ्य स्वयं में पैदा कर लेती है तो उसकी समायी और सामर्थ्य की कोरव उर्वरा होने लगती है, जब वह भाषा किसी एक समुदाय, वर्ग, समाज, देश, राष्ट्र की भाषा भर नहीं रह जाती, उसका सामर्थ्यवान व्यापकत्व निंरतर फलता–फूलता अपनी सीमाओं को बांध राष्ट्रीय से अंतर्राष्ट्रीय होने लगता है । प्रगति के लिए भाषाओं को आपस में हाथ मिलाना है । भारत अनेक भाषाओं का पावन संगम स्थल है । आदान–प्रदान प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है । यहां आदान–प्रदान का मुख्य सहारा अनुवाद है । अनुवाद का इतिहास रिश्तों का इतिहास है । भाषा, संस्कृति साहित्य और विचारों को वह जोड़ता है । आज अनुवाद की दिशा में कई सार्थक काम चल रहे हैं । वर्तमान समय में रिश्तों को मजबूत, संस्कार के गतिशील दृष्टिकोण को विशाल और संस्कृति को सतत् समृद्ध बनाने के लिये अनुवाद का आंचल पकड़ना अनिवार्य है।

अनुवाद सामर्थ्य का महत्व अभिव्यक्ति कौशल के साथ–साथ हिंदी, अंग्रेजी और आंचलिक छत्तीसगढ़ी भाषा में सक्षम होकर व्यक्तित्व विकास करना है। हिंदी भाषा में निपुण होने के साथ इस पाठ्यक्रम से अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी में दक्षता होने से छात्रों को सम्यक विकास संभावित है, जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा । केन्द्र सरकार, राज्य शासन के समानांतर अर्द्ध शासकीय और निजी संस्थानों में आजीविका की दृष्टि से इस पाठ्यक्रम का महत्व अधिक है।

रोजगार के अवसर –

अनुवाद, राजभाषा सहायक, हिंदी अधिकारी, ट्यूटर विक्रेता प्रतिनिधि, दूरदर्शन और आकाशवाणी के उद्घोषक व समाचार पत्रों के संवाददाता ।

परीक्षा की विधि –

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में चार प्रश्न होंगे । चारों के अंक 50 पृथक–पृथक होंगे। ग्रेडिंग–प्रणाली से परीक्षा ली जायेगी।

प्रथम प्रष्न–पत्र
प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद

भाषा का प्रयोजन – प्रयोजन मूलकता
प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद
प्रयोजन मूलक भाषा और सरकारी अनुवाद
राजभाषा (कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति)
कार्यालय अभिलेख में हिंदी अनुवाद की समस्या, कार्यालयी भाषा और समेकित
प्रकाशनाधिकार और अनुवाद
प्रशासनिक अनुवाद – स्वरूप विश्लेषण, प्रशासनिक शब्दावली
देवनागरी तार, सरकारी उद्यमों में हिंदी का प्रयोग
कामकाजी वाक्यांशों के हिंदी अनुवाद, कार्यायलीन एवं प्रशासनिक शब्दावली
प्रशासनिक प्रयुक्तियां
वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएं ।
बैकिंग हिंदी का स्वरूप और अनुवाद
विज्ञापन की भाषा और उसके साहित्य की समस्याएं
बाजार भाव की भाषा और अनुवाद
खेलकूद की भाषा और अनुवाद संसदीय साहित्य का अनुवाद।
विधि और अनुवाद

द्वितीय प्रष्न–पत्र
हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी व्याकरण

19. भाषा, भाषा का स्वरूप, उत्पत्ति, महत्व विशेषताएं
20. ध्वनि
21. वर्णमाला
22. संज्ञा
23. सर्वनाम
24. विशेषण
25. क्रिया
26. क्रिया विशेषण
27. कारक संरचना

तृतीय प्रष्न–पत्र

प्रायोगिक (प्रोजेक्ट वर्क)

कार्यक्षेत्र का भ्रमण मौखिक+परियोजना (50+50)

संदर्भ ग्रंथ

अनुवाद विज्ञान – सिद्धांत और प्रयोग
लेखक – डॉ. जयश्री शुक्ल
वैभव प्रकाशन, रायपुर (छ.ग.)

2015–16
ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी
एड–ऑन पाठ्यक्रम
अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

उद्देष्य :–

आधुनिक युग में अनुवाद सामर्थ्य का महत्व अभिव्यक्ति–कौशल के साथ अंग्रेजी, हिंदी और आंचलिक भाषा छत्तीसगढ़ी में सक्षम होकर व्यक्तित्व–विकास करना है । केन्द्र सरकार, राज्य शासन के समानांतर अर्द्धशासकीय और निजी संस्थानों में आजीविका की दृष्टि से इस पाठ्यक्रम का महत्व अधिक है । हिंदी भाषा में पारंगत होने के साथ इस पाठ्यक्रम से अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी में दक्षता होने से छात्रों का सम्यक विकास संभावित है जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा । इस पाठ्यक्रम में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का विकास किया जा रहा है।

रोजगार के अवसर :–

अनुवाद, राजभाषा सहायक, हिंदी अधिकारी, ट्यूटर विक्रेता प्रतिनिधि, दूरदर्शन और आकाशवाणी के उद्घोषक व समाचार पत्रों के संवाददाता ।

परीक्षा की विधि :–

डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दो प्रश्न पत्र सैद्धांतिक और एक प्रायोगिक के होंगें । तीनों के अंक 50 पृथक–पृथक होंगे तथा सैद्धांतिक प्रश्न पत्रों की पांच इकाईयां होंगी । ग्रेडिंग–प्रणाली से परीक्षा ली जायेगी ।

प्रथम प्रष्न पत्र

व्याकरण 50 अंक

16. हिंदी व्याकरण
17. अंग्रेजी व्याकरण
18. छत्तीसगढ़ी व्याकरण
19. हिंदी, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी व्याकरण में समानता
20. हिंदी, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी व्याकरण में असमानता

द्वितीय प्रष्न पत्र

अनुवाद सामर्थ्य 50 अंक

16. अनुवाद – परिभाषा, लक्षण, स्वरूप
17. अच्छे अनुवाद के गुण
18. स्वर – व्यंजन वाक्य शुद्धि
19. कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद
20. अनुवाद – अंग्रेजी से हिन्दी

प्रायोगिक (व्यावहारिक) कार्य

मौखिकी+परियोजना

50+50 =100 अंक

10. स्थानीय अथवा बाहरी सरकारी, अर्द्धसरकारी संस्थानों में परिभ्रमण के आधार पर दिए गए किसी भी विषय पर परियोजना रिपोर्ट तैयार करना ।
11. सामूहिक चर्चा
12. उच्चारण – अभ्यास ।

ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी

एड–ऑन पाठ्यक्रम

अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

प्रष्न–पत्र विवरण

प्रथम प्रश्न पत्र – प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद

द्वितीय प्रश्न पत्र – हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी व्याकरण

तृतीय प्रष्न पत्र – प्रायोगिक (प्रोजेक्ट वर्क)

ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी
एड–ऑन पाठ्यक्रम
अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

उद्देष्य :–

कोई भी भाषा जब सांस्कृतिक वैविध्य, और उसकी बोली–बानी का सोंधी रसमयता से सिंचित हो भीगने और लहलहाने का सामर्थ्य स्वयं में पैदा कर लेती है तो उसकी समायी और सामर्थ्य की कोरव उर्वरा होने लगती है, जब वह भाषा किसी एक समुदाय, वर्ग, समाज, देश, राष्ट्र की भाषा भर नहीं रह जाती, उसका सामर्थ्यवान व्यापकत्व निंरतर फलता–फूलता अपनी सीमाओं को बांध राष्ट्रीय से अंतर्राष्ट्रीय होने लगता है । प्रगति के लिए भाषाओं को आपस में हाथ मिलाना है । भारत अनेक भाषाओं का पावन संगम स्थल है । आदान–प्रदान प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है । यहां आदान–प्रदान का मुख्य सहारा अनुवाद है । अनुवाद का इतिहास रिश्तों का इतिहास है । भाषा, संस्कृति साहित्य और विचारों को वह जोड़ता है । आज अनुवाद की दिशा में कई सार्थक काम चल रहे हैं । वर्तमान समय में रिश्तों को मजबूत, संस्कार के गतिशील दृष्टिकोण को विशाल और संस्कृति को सतत् समृद्ध बनाने के लिये अनुवाद का आंचल पकड़ना अनिवार्य है।

अनुवाद सामर्थ्य का महत्व अभिव्यक्ति कौशल के साथ–साथ हिंदी, अंग्रेजी और आंचलिक छत्तीसगढ़ी भाषा में सक्षम होकर व्यक्तित्व विकास करना है। हिंदी भाषा में निपुण होने के साथ इस पाठ्यक्रम से अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी में दक्षता होने से छात्रों को सम्यक विकास संभावित है, जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा । केन्द्र सरकार, राज्य शासन के समानांतर अर्द्ध शासकीय और निजी संस्थानों में आजीविका की दृष्टि से इस पाठ्यक्रम का महत्व अधिक है।

रोजगार के अवसर –

अनुवाद, राजभाषा सहायक, हिंदी अधिकारी, ट्यूटर विक्रेता प्रतिनिधि, दूरदर्शन और आकाशवाणी के उद्घोषक व समाचार पत्रों के संवाददाता ।

परीक्षा की विधि –

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में चार प्रश्न होंगे । चारों के अंक 50 पृथक–पृथक होंगे। ग्रेडिंग–प्रणाली से परीक्षा ली जायेगी।

प्रथम प्रष्न–पत्र
प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद

भाषा का प्रयोजन – प्रयोजन मूलकता
प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद
प्रयोजन मूलक भाषा और सरकारी अनुवाद
राजभाषा (कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति)
कार्यालय अभिलेख में हिंदी अनुवाद की समस्या, कार्यालयी भाषा और समेकित
प्रकाशनाधिकार और अनुवाद
प्रशासनिक अनुवाद – स्वरूप विश्लेषण, प्रशासनिक शब्दावली
देवनागरी तार, सरकारी उद्यमों में हिंदी का प्रयोग
कामकाजी वाक्यांशों के हिंदी अनुवाद, कार्यायलीन एवं प्रशासनिक शब्दावली
प्रशासनिक प्रयुक्तियां
वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएं ।
बैकिंग हिंदी का स्वरूप और अनुवाद
विज्ञापन की भाषा और उसके साहित्य की समस्याएं
बाजार भाव की भाषा और अनुवाद
खेलकूद की भाषा और अनुवाद संसदीय साहित्य का अनुवाद।
विधि और अनुवाद

द्वितीय प्रष्न–पत्र
हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी व्याकरण

28. भाषा, भाषा का स्वरूप, उत्पत्ति, महत्व विशेषताएं
29. ध्वनि
30. वर्णमाला
31. संज्ञा
32. सर्वनाम
33. विशेषण
34. क्रिया
35. क्रिया विशेषण
36. कारक संरचना

तृतीय प्रष्न–पत्र

प्रायोगिक (प्रोजेक्ट वर्क)

कार्यक्षेत्र का भ्रमण मौखिक+परियोजना (50+50)

संदर्भ ग्रंथ

अनुवाद विज्ञान – सिद्धांत और प्रयोग
लेखक – डॉ. जयश्री शुक्ल
वैभव प्रकाशन, रायपुर (छ.ग.)

2014–15
ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी
एड–ऑन पाठ्यक्रम
अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

उद्देष्य :–

आधुनिक युग में अनुवाद सामर्थ्य का महत्व अभिव्यक्ति–कौशल के साथ अंग्रेजी, हिंदी और आंचलिक भाषा छत्तीसगढ़ी में सक्षम होकर व्यक्तित्व–विकास करना है । केन्द्र सरकार, राज्य शासन के समानांतर अर्द्धशासकीय और निजी संस्थानों में आजीविका की दृष्टि से इस पाठ्यक्रम का महत्व अधिक है । हिंदी भाषा में पारंगत होने के साथ इस पाठ्यक्रम से अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी में दक्षता होने से छात्रों का सम्यक विकास संभावित है जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा । इस पाठ्यक्रम में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का विकास किया जा रहा है।

रोजगार के अवसर :–

अनुवाद, राजभाषा सहायक, हिंदी अधिकारी, ट्यूटर विक्रेता प्रतिनिधि, दूरदर्शन और आकाशवाणी के उद्घोषक व समाचार पत्रों के संवाददाता ।

परीक्षा की विधि :–

डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दो प्रश्न पत्र सैद्धांतिक और एक प्रायोगिक के होंगें । तीनों के अंक 50 पृथक–पृथक होंगे तथा सैद्धांतिक प्रश्न पत्रों की पांच इकाईयां होंगी । ग्रेडिंग–प्रणाली से परीक्षा ली जायेगी ।

प्रथम प्रष्न पत्र

व्याकरण 50 अंक

21. हिंदी व्याकरण
22. अंग्रेजी व्याकरण
23. छत्तीसगढ़ी व्याकरण
24. हिंदी, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी व्याकरण में समानता
25. हिंदी, अंग्रेजी, छत्तीसगढ़ी व्याकरण में असमानता

द्वितीय प्रष्न पत्र

अनुवाद सामर्थ्य 50 अंक

21. अनुवाद – परिभाषा, लक्षण, स्वरूप
22. अच्छे अनुवाद के गुण
23. स्वर – व्यंजन वाक्य शुद्धि
24. कार्यालयीन हिंदी और अनुवाद
25. अनुवाद – अंग्रेजी से हिन्दी

प्रायोगिक (व्यावहारिक) कार्य

मौखिकी+परियोजना

50+50 =100 अंक

13. स्थानीय अथवा बाहरी सरकारी, अर्द्धसरकारी संस्थानों में परिभ्रमण के आधार पर दिए गए किसी भी विषय पर परियोजना रिपोर्ट तैयार करना ।
14. सामूहिक चर्चा
15. उच्चारण – अभ्यास ।

ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी

एड–ऑन पाठ्यक्रम

अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

प्रष्न–पत्र विवरण

प्रथम प्रश्न पत्र – प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद

द्वितीय प्रश्न पत्र – हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी व्याकरण

तृतीय प्रष्न पत्र – प्रायोगिक (प्रोजेक्ट वर्क)

ट्रांसलेशन प्रोफिसियेंसी
एड–ऑन पाठ्यक्रम
अनुवाद सामर्थ्य में सर्टिफिकेट कोर्स

उद्देष्य :–

कोई भी भाषा जब सांस्कृतिक वैविध्य, और उसकी बोली–बानी का सोंधी रसमयता से सिंचित हो भीगने और लहलहाने का सामर्थ्य स्वयं में पैदा कर लेती है तो उसकी समायी और सामर्थ्य की कोरव उर्वरा होने लगती है, जब वह भाषा किसी एक समुदाय, वर्ग, समाज, देश, राष्ट्र की भाषा भर नहीं रह जाती, उसका सामर्थ्यवान व्यापकत्व निंरतर फलता–फूलता अपनी सीमाओं को बांध राष्ट्रीय से अंतर्राष्ट्रीय होने लगता है । प्रगति के लिए भाषाओं को आपस में हाथ मिलाना है । भारत अनेक भाषाओं का पावन संगम स्थल है । आदान–प्रदान प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है । यहां आदान–प्रदान का मुख्य सहारा अनुवाद है । अनुवाद का इतिहास रिश्तों का इतिहास है । भाषा, संस्कृति साहित्य और विचारों को वह जोड़ता है । आज अनुवाद की दिशा में कई सार्थक काम चल रहे हैं । वर्तमान समय में रिश्तों को मजबूत, संस्कार के गतिशील दृष्टिकोण को विशाल और संस्कृति को सतत् समृद्ध बनाने के लिये अनुवाद का आंचल पकड़ना अनिवार्य है।

अनुवाद सामर्थ्य का महत्व अभिव्यक्ति कौशल के साथ–साथ हिंदी, अंग्रेजी और आंचलिक छत्तीसगढ़ी भाषा में सक्षम होकर व्यक्तित्व विकास करना है। हिंदी भाषा में निपुण होने के साथ इस पाठ्यक्रम से अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी में दक्षता होने से छात्रों को सम्यक विकास संभावित है, जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार होगा । केन्द्र सरकार, राज्य शासन के समानांतर अर्द्ध शासकीय और निजी संस्थानों में आजीविका की दृष्टि से इस पाठ्यक्रम का महत्व अधिक है।

रोजगार के अवसर –

अनुवाद, राजभाषा सहायक, हिंदी अधिकारी, ट्यूटर विक्रेता प्रतिनिधि, दूरदर्शन और आकाशवाणी के उद्घोषक व समाचार पत्रों के संवाददाता ।

परीक्षा की विधि –

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम में चार प्रश्न होंगे । चारों के अंक 50 पृथक–पृथक होंगे। ग्रेडिंग–प्रणाली से परीक्षा ली जायेगी।

प्रथम प्रष्न–पत्र
प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद

भाषा का प्रयोजन – प्रयोजन मूलकता
प्रयोजन मूलक भाषा और अनुवाद
प्रयोजन मूलक भाषा और सरकारी अनुवाद
राजभाषा (कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति)
कार्यालय अभिलेख में हिंदी अनुवाद की समस्या, कार्यालयी भाषा और समेकित
प्रकाशनाधिकार और अनुवाद
प्रशासनिक अनुवाद – स्वरूप विश्लेषण, प्रशासनिक शब्दावली
देवनागरी तार, सरकारी उद्यमों में हिंदी का प्रयोग
कामकाजी वाक्यांशों के हिंदी अनुवाद, कार्यायलीन एवं प्रशासनिक शब्दावली
प्रशासनिक प्रयुक्तियां
वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएं ।
बैकिंग हिंदी का स्वरूप और अनुवाद
विज्ञापन की भाषा और उसके साहित्य की समस्याएं
बाजार भाव की भाषा और अनुवाद
खेलकूद की भाषा और अनुवाद संसदीय साहित्य का अनुवाद।
विधि और अनुवाद

द्वितीय प्रष्न–पत्र
हिंदी, अंग्रेजी और छत्तीसगढ़ी व्याकरण

37. भाषा, भाषा का स्वरूप, उत्पत्ति, महत्व विशेषताएं
38. ध्वनि
39. वर्णमाला
40. संज्ञा
41. सर्वनाम
42. विशेषण
43. क्रिया
44. क्रिया विशेषण
45. कारक संरचना

तृतीय प्रष्न–पत्र

प्रायोगिक (प्रोजेक्ट वर्क)

कार्यक्षेत्र का भ्रमण मौखिक+परियोजना (50+50)

संदर्भ ग्रंथ

अनुवाद विज्ञान – सिद्धांत और प्रयोग
लेखक – डॉ. जयश्री शुक्ल
वैभव प्रकाशन, रायपुर (छ.ग.)